फाइल सं. 5-1/2021-ईई.1

भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2022

कार्यालय ज्ञापन

विषय: अक्टूबर, 2021 माह का कैबिनेट के लिए मासिक सार - के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को अक्टूबर, 2021 के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की महत्वपूर्ण गतिविधियों से संबंधित मासिक सार की एक प्रति कैबिनेट के लिए परिचालित करने का निदेश हुआ।

राजेश सैम्पले

(राजेश सैम्पले)
अवर सचिव, भारत सरकार
टेलीफोन नं. 011-23384589

संलग्नक: उपरोक्तानुसार।

सेवा में

1. सभी मंत्रिपरिषद
2. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
3. भारत के राष्ट्रपति के सचिव (राष्ट्रपति के सचिव), राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
4. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव (उप-राष्ट्रपति के सचिव), मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली।

सूचनार्थ हेतु प्रति:

- माननीय शिक्षा मंत्री के निजी सचिव
- राज्य मंत्री के निजी सचिव, शिक्षा मंत्रालय
- सचिव (एसईएंडएल) के पीपीएस

राजेश सैम्पले

(राजेश सैम्पले)
अवर सचिव, भारत सरकार
टेलीफोन नं. 011-23384589

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

अक्टूबर 2021 के महीने के लिए कैबिनेट के लिए मासिक सारांश

I. वित्तीय उपलब्धियां/रिलीज:

31 अक्टूबर, 2021 तक बीई का 38.03% जारी किया गया था।

II. महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और गतिविधियाँ / पहल:

क. नीति संबंधी चर्चा/बैठकें:

महत्वपूर्ण मुद्दे/प्रगति

क्र. सं.	विषय	सार
1	समग्र शिक्षा	31 अक्टूबर, 2021 तक समग्र शिक्षा के तहत केंद्रीय रिलीज - 12026.95 करोड़ रुपये।
2	निपुण भारत	माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में और राज्य शिक्षा मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी की उपाध्यक्षता में 25 अक्टूबर, 2021 को निपुण भारत मिशन के कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) का गठन किया गया है। एनएससी के अन्य सदस्यों में शामिल हैं: सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता; निदेशक एनसीईआरटी; कुलपति एनआईईपीए; अध्यक्ष एनसीटीई; सचिव शिक्षा उत्तर प्रदेश; सचिव शिक्षा, कर्नाटक; निदेशक एससीईआरटी गुजरात; निदेशक एससीईआरटी सिक्किम; 7 केंद्रीय मंत्रालयों यानी महिला और बाल विकास, जनजातीय मामले, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, वित्त, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और पंचायती राज के प्रतिनिधि; एनसीईआरटी और आरआईई अजमेर से दो विशेषज्ञ; और तीन बाहरी विशेषज्ञ। संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक निपुण भारत मिशन एनएससी के संयोजक हैं। निपुण भारत मिशन के लिए एनएससी की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ निम्नलिखित हैं: i. मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर राष्ट्रीय मिशन की प्रगति की निगरानी करना और नीतिगत मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करना। ii. 2026-27 में राष्ट्रीय स्तर पर हासिल किए जाने वाले लक्ष्य तक पहुंचना।

क्र. सं.	विषय	सार
		iii. दिशानिर्देशों के रूप में वार्षिक प्रगति के मापन के लिए उपकरणों का प्रसार करना। iv. अंतराल के लिए जिम्मेदार कारकों (यानी, फंड की कमी, रिक्तियों, शिक्षकों, जनसांख्यिकी, स्थानीय मुद्दों, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता, पाठ्यचर्या और शिक्षाशास्त्र संबंधी) के साथ-साथ प्रत्येक राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र के लिए केआरए के साथ एक राष्ट्रीय कार्य योजना (राज्य की कार्य योजनाओं के आधार पर) तैयार करना और उसका अनुमोदन करना। v. प्रोग्रामेटिक और वित्तीय मानदंडों की समय-समय पर समीक्षा करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों के अनुरूप हैं। vi. प्रगति का विश्लेषण करने और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को फीडबैक प्रदान करने के लिए मूल्यांकन की पद्धति विकसित करना। निपुण भारत मिशन पर एटीएफ के सदस्यों के उन्मुखीकरण और क्षमता निर्माण के लिए क्षेत्रीय कार्यशालाएं 27, 28, 29 अक्टूबर, 2021 को सीआईईटी, एनसीईआरटी में आयोजित की गईं।
3	चार वर्षीय आईटीईपी	चार वर्षीय आईटीईपी, बी.ए. बी.एड./बी.एससी. बी.एड. और बी.कॉम. बी.एड के साथ दोहरा प्रमुख समग्र स्नातक डिग्री कार्यक्रम 27 अक्टूबर 2021 को अधिसूचित किया गया है। इसे आरंभ में देश भर के लगभग 50 चयनित बहु-विषयक संस्थानों में पायलट मोड में पेश किया जाएगा। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तहत राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने इस कोर्स के पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया है कि यह एक छात्र-शिक्षक को शिक्षा में डिग्री के साथ-साथ इतिहास, गणित, विज्ञान, कला, अर्थशास्त्र या वाणिज्य जैसे एक विशेष शास्त्र में डिग्री प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। आईटीईपी न केवल अत्याधुनिक शिक्षाशास्त्र प्रदान करेगा, बल्कि दूसरों के बीच प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई), आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन), समावेशी शिक्षा, और भारत और इसके मूल्यों / लोकाचार / कला / परंपराओं की समझ में एक नींव भी स्थापित करेगा। चार वर्षीय आईटीईपी उन सभी छात्रों के लिए उपलब्ध होगा, जो अपनी मर्ज़ी से सेकेंडरी के बाद शिक्षण को एक पेशे के रूप में चुनते हैं। इस एकीकृत पाठ्यक्रम से छात्रों को लाभ होगा क्योंकि वे वर्तमान बी.एड योजना के लिए आवश्यक प्रथागत पांच वर्षों के बजाय इसे चार वर्षों में पूरा करने से एक वर्ष की बचत करेंगे। चार वर्षीय आईटीईपी की शुरुआत शैक्षणिक